

DPN 6354

MAHĀLAKṢAMĪ STOTRA - - - - -

Title: 6 चरुतिका द्वादशनाम ७ काक परिक्षा १. महालक्ष्मी स्तोत्र
२ कारका अस्तक (कालिकाष्टक)? ३. [यजुर्वेदीय ऋचा] ५. कर्मपरीक्षा →

Run. No. 7045

Cat. No.

Micro. No.

Subject Stotra

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 13.6 x 6.5

Folios 31

Lines (in a page) 5/12

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

१. इति श्री महालक्ष्मी स्तोत्र संपूर्णं समाप्तं ॥ २. इति कारका अस्तक ॥
३. ॐ वयं सोमः व्रते तव मनुस्त ० [यजुर्वेदीय ऋचा] ४. इति चतुर्थपहर →

पहर ॥ काकपरिक्षाय / सप्तमं ॥ 5. इति कम्पपरिका (परीक्षा) सप्तमं ॥
6. इति धातिका (धरति का) द्वादश नामं सप्तमं ॥

-
1. MAHALAKṢMĪSTOTRA . 2. KĀRAKĀSTAKA
 3. YAJURVEDĪYA RCĀ. 4. KĀKAPARĪKṢĀ
 5. KAMPA PARĪKṢĀ 6. DHARATIKĀ
 - DVĀDĀŚANĀMA.



15

10

5

0

CM

5

10

15

20



२४ नमः श्री गणेशाय ॥ श्री गुरु नमः ॥ ॥
गनार्त्त गनय निर्विघ्न गऊ व माता सुलाचनं व
सिनसुतधनिर्हृदयं यो ना विनायक ॥ ४ ॥ मुखि
कवाहनमाधकसुसंवासरकसुवित्रैयितसुतु
यामत्रयसदृशसुयुक्तं विधिनिविनायक्युय

॥१७॥ धागत श्री नमनम ॥ १८॥ चंदल श्री नमन
म ॥ १९॥ गिलल श्री नमनम ॥ २०॥ मलिल श्री नम
नम ॥ २१॥ खण्डील श्री नमने ॥ २२॥ वृक्ष श्री
नमनम ॥ २३॥ माक्ष श्री नमनम ॥ २४॥ उ
ल श्री नमनम ॥ २५॥ मानल श्री नमनम ॥ २६॥

कालल श्री नमनम ॥ २७॥ ईधल श्री नमने ॥
२८॥ जूजा गलल श्री नमनम ॥ २९॥ जा गलल श्री
नमनम ॥ ३०॥ यदुवल श्री नमनम ॥ ३१॥ रूग
वतिल श्री नमनम ॥ ३२॥ धर्मल श्री नमनम ॥
॥ ३३॥ कवू नाव श्री नमनम ॥ ३४॥ ज गलल श्री

नम नम ॥ १ ॥ सलील श्री नम नम ॥ १ ॥ या नल
श्री नम नम ॥ २ ॥ य दल श्री नम नम ॥ २ ॥ उव
धूल श्री नम नम ॥ ३ ॥ अ ई का नल श्री नम न
म ॥ ४ ॥ न कल श्री नम नम ॥ ४ ॥ नल श्री नम न
म ॥ ५ ॥ नि थल श्री नम नम ॥ ५ ॥ मा कल श्री नम न

म ॥ ६ ॥ अ थल श्री नम नम ॥ ६ ॥ का मल श्री नम
नम ॥ ७ ॥ द न लल श्री नम नम ॥ ७ ॥ स सा नल
श्री नम नम ॥ ८ ॥ त्रि द व न ल श्री नम नम ॥ ८
॥ ह द ल श्री नम नम ॥ ९ ॥ व कल श्री नम
नम ॥ १० ॥ उ ह उल श्री नम नम ॥ १० ॥ क नल

ॐ नम नम ॥ ७३ ॥ नम नम ॥ ७४ ॥
ॐ नम नम ॥ ७५ ॥ नम नम ॥ ७६ ॥
ॐ नम नम ॥ ७७ ॥ नम नम ॥ ७८ ॥
ॐ नम नम ॥ ७९ ॥ नम नम ॥ ८० ॥
ॐ नम नम ॥ ८१ ॥ नम नम ॥ ८२ ॥

॥ ८३ ॥ नम नम ॥ ८४ ॥ नम नम ॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥ नम नम ॥ ८७ ॥ नम नम ॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥ नम नम ॥ ९० ॥ नम नम ॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥ नम नम ॥ ९३ ॥ नम नम ॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥ नम नम ॥ ९६ ॥ नम नम ॥ ९७ ॥

१५
२॥ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री ३ का
लीकाय नमः ॥ ॥ देवि हर्षवत्पुत्रं पुत्रं पुत्रं
वा त्रिभिर्हि यवास्तान च विदेते दत्र निद्रय विजा
नः ॥ नैका तदहं सच वानका अदकन वि यन
वत्र नि ॥ ॥ ॥ नमो भगवते कालकामान कल्याण कर

नी ॥ १ ॥ नयननेत्र जातः शत्रु शत्रु न जा न जन
य देते हसमेत कर मानमलनी काम निद्रय भू
नूय उदवृद्धयः ॥ मयत्रय र्धमवह करनी
॥ ॥ नमो भगवते कालकामान कल्याण करनी ॥ २ ॥
विहने जन सयन के कर्म्म सध कि नरय शर्वत्र

यवर्द्धनकात्रकननीकजनसायाकनजात्रअरु
उग्रकनवर्द्धकासकनआविषाजनि॥ ॥ ॐ न
मा२कात्रकामानकल्याणकननि॥ ३ ॥ सखका
अंदसिचयथदात्रुगदासूत्रयनयासकसूचक
धननिर्द्धनिर्द्धसकात्रमूगदलंगहरेतकेक

अलधनसूहधननि॥ ॥ ॐ नमा२कालकामान
कल्याणकननि॥ ७ ॥ चूदअत्रमूददाखद
कनमयकेधूमत्राचनसधूनकनाचननिर्द्ध
हनिर्द्धदानत्रमथकदधनआकनाविषाज
ननि॥ ॥ ॐ नमा२कात्रकामानकल्याणकननि

॥ ७ ॥ इदं वनखंदमयमर्षगणकनखित्रीदेव
देवदत्तहयहर्षनक्षत्रनिंदुवर्षकनक्षत्रनि
शककययमाहाधायननादश्रुतीमंदयिक
सुखत्रनि॥ ८ ॥ ॐ नमो २ कारकामानकल्यान
कत्रनि॥ ८ ॥ कामनियामयकृतमानिसदाज्ञा

गतिआगमयध्यानधरनीशकनक्षत्रवेदसुवा
भूतुत्रकत्रवृक्षकासकनशिविसाजतनि॥ ९ ॥
ॐ नमो २ कारकामानकल्यानकत्रनि॥ ९ ॥ ह
गवानमनिआनलासुखसदाहगतजनयाव
हादीगतत्रनि॥ १० ॥ ॐ नमो २ कारकामानकल्या

नकत्रनि॥ ८॥ ॥ श्रीनिकात्रका, श्रीरुद्राक॥
॥ श्रीसंक्रावाक, वित्रीचि नं, संपूर्णसमा
॥ श्री॥ श्रीरुद्रकल्याणश्रीरुद्र ॥ ॥ श्री॥ श्री॥
॥ २॥ वयं सामं वृत्तं नवमनूक्तं नृपविजुतं ॥ पुत्रो
वन्तु सवैमहि॥ १॥ ॥ ३॥ वृत्तं नृदलगतं दसु श्रीविक्रया

सुत्रं वृत्तं ॥ सामं वृत्तं नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ २॥ श्री
नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ ३॥ श्री
नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ ४॥ श्री
नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ ५॥ श्री
नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ ६॥ श्री
नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ ७॥ श्री
नृदलगतं दसु श्रीविक्रया ॥ ८॥ श्री

ॐ कर्मिवर्द्धनात्मह्या मूर्त्तिरयमा म नान् ॥ ३ ॥ प्रियम्
कंयज्ञामहसुगं विमतिवदनम् । उवाक कर्मिवत्तना
दिनाम् कयमा म न ॥ ४ ॥ अनल कडावसुं न नयना
मूर्त्तिवर्द्धनादिष्टा भूवत्तनवन्नायिना कावसु ४ कवी
यसा भूदि ० संनसिवादिदि ॥ ५ ॥ प्रियायूषं नम

दात्र कस्यपस्य प्रियायूषम् ४ । उदवष प्रियायूषं नना
भूत्त प्रियूषम् ॥ ६ ॥ मिथानामासि स्वधिति रूपिना
नमस्ते भूत्तमा मा न ० मा भनिवर्त्तया यथायूषमा या
मयु कर्त्तौ नैयनाय सा मायसु जासायसु वीयाया ॥
॥ ७ ॥ भूतिपूषं नन ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥ ॥



15

10

5

0

CM

5

10

15

20



15

10

5

0

CMC

5

10

15

20



15
10
5
0
CM



श्रीगुरुदेव्यो नमः

५

५

15

10

5

0

CM

5

10

15

20



15

10

5

0

CM

5

10

15

20



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इति कवित्तु वक्त्राणि ॥

नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं

२५ किं

२५ कि म

254

2255

262

上世

六

॥ य ॥

ॐ

द्वि कथयं नि॥ यद्दे सस्य काक
हो नया रुने॥ कृकृ कायं लो न
यने॥ धा जु नि कायं स यद्दे न
ना इदं धाम न स यद्दे न॥ मन
हो न लो न या कायं स यद्दे न
॥ सिद्धि रयुध॥ भ्र॥ भ्र॥ भ्र॥
यम न काक॥ भ्र॥ य नि र्भु॥
सुवा जा क थयं नि॥ भ्र॥ भि
का ना क से स्य॥ का क लो न या
रुने॥ धन भा धा यी धा य र्के॥ क

ॐ

न धा न सि य॥ भ्र॥ या मि या
दि मि या द न य म नै का क॥
भ्र॥ य ना र॥ क थयं नि॥ य न कि
सा॥ द कि न स स्य॥ का क लो न य
रुने॥ न धा लो न धा न लो सि र्भु न
का न क स नै न य नै॥ आ उ॥ धा
आ दि न नु दि व द॥ ६४५५ ना द
दि व द॥ य नि ना युध॥ भ्र॥ भि
नि ले य दा न या॥ म नै का क मि
रु द न स नु क थयं नि॥ य न

ॐ

ॐ

क्रि० ॥ नेनी सु॥ क्षा ना ठ सु सु
का क स्ता न या रु ने॥ न धा र मिः
नु या द वा दा॥ खा न सु य फः
दि न द यू धा॥ क्र॥ वा नू र भू
दि सि य दा न ध म न का क स
रु ना र क थ र्य नि॥ य न किं
य कि म सु सु का क स्ता न या
ना॥ भू न ना सु रु र य द यू॥ भू
वा यू वा दि य दा न ध म न
का क॥ मि स्ता न रा न न क थ र्य

क्रि० ॥ य न किं सु॥ वा यू य का ना
रु सु सु का क स्ता न या रु ने॥ य
धा य न सु॥ य या य या नु व सु
क न य द यू॥ क्र॥ सा भ दि सि
य दा न ध म न का क वा न र वा
नु॥ क थ र्य नि॥ य न किं सु॥ उ
र सु सु का क स्ता न या रु ने॥ नाः
ना वि रा द या रु वा म मा मि धा॥
क्र॥ न सु ना य दा न ध म न का
का ना ना वा ना॥ क थ र्य नि॥ य न

किं स॥ न सान्नां स स का कः
 सो न या रु न॥ ना ज्ञान मान या
 य॥ अ॥ वक्र स्त्राने यदा न य
 मने का क॥ मन सिद्धि कथयं कि
 चा क रे न न या दय स॥ य न कि
 सका क सान या रु न॥ सम सम न य
 या॥ अल न या धा नु नि कार्थ सि
 द्वि द्यू धा॥ वं नि यु थ म य रु
 न॥ समार्क॥ १ ॥ दि नि य य
 द न या॥ का क स स साना नि

न स य॥ नि य रु न स॥ य र्ध स
 स॥ का क सान या रु न॥ मा
 स स॥ च नि॥ क न्या न क स न
 य॥ अ॥ अ॥ अ॥ य दान य मने
 का क न न धने॥ कथयं कि॥ नि
 य रु न स॥ अ॥ नि का ना द य
 स॥ का क सान या रु न॥ सम स
 न॥ धा रु॥ न धा न रु॥ अ॥ स॥ अ॥
 य॥ य य न॥ द धि ना य॥ अ॥ अ॥
 आ॥ म॥ य दान य॥ मने का क॥ व

नं धन॥ कथयं कि॥ दा न भवस
का क॥ दा न या रुन॥ अने गध
न ही य नि॥ दयू धि॥ जे नि लेय
दा न या॥ म ने का क॥ अने न प्र
थ ग मन॥ कथयं कि॥ जे नि ले
भवस का क॥ दा न या रुन॥ अने
गध न ही य नि॥ . . . वा
नू न्या य दा न य॥ म ने का क॥ अ
ने न ना रु॥ कथयं कि॥ नि य रु
न स॥ य किं म भवस॥ का क॥ दा
न या रु न॥ अने ग ना रु दयू
ध॥ के॥ वा यू य य॥ दा न या

म ने का क॥ जय नि ना रु कथयं
कि॥ वा यू य दा न य॥ म ने का क॥
वहु य थ य य नि॥ म भय दा
न य॥ म ने का क॥ अ॥ दि रु य क
थयं कि॥ ७७ सु स का क॥ दा न
या रु न॥ अ॥ दि रु य मा नि धि॥
नू सान य दा न य॥ म ने का क॥ अ
थ ना रु॥ कथयं कि॥ नू सान का
ना रु सु स॥ का क॥ दा न या रु न॥
अने गध न ना रु दयू धि॥ द्रु द्र
स्ति न य दा न य॥ म ने का क॥ क
थी शु कथयं कि॥ वा क॥ रु ने न

याद धूस का कला ने या हुने
 दद ने ने या था सा धू ध के
 कने था ने ॥ ॐ मि दि नि य य
 हुने सु मा र्क ॥ २ ॥ अथ हनि
 यय हुने मने का क ॥ अग्नि ह
 या क थयी कि ॥ ॐ हं से से का क
 हो ने या हुने ॥ अग्नि हं य मा
 नि ॥ ॐ हं नं यं दा ने य मने
 का क ॥ अं थ ने रं के यी कि ॥
 यी सा ने का ने ठ से से का क
 हो ने या हुने ॥ अं नं यं ध ने
 ने रं द यं थि ॥

सय हुने स धर्ष से सा का क ला
 ने या हुने ॥ अग्नि हं य मा नी था
 ॥ अं य य मने का क ॥ मि ठ द
 र्म नि क थयी नि ॥ सय हुने स
 ॥ अग्नि का ने ठ से से का क
 हो ने या हुने ॥ मा हो र थि नि या
 द वा दा मि ठ दर्मे ने द य ॥
 या म दि मि य दा ने य मने ॥
 का क ॥ मि से ना ने ठ ने क थ
 यी कि ॥ द कि ने से से का क ला
 ने या हुने ॥ य था र य से क ने
 य द थि ॥ ने नि ले य दा ने य

मने का क॥ न रु वा गु॥ कथयेनि यदा नष्टमने का का सा लोनेः
नेदिने का नाद सुसु॥ का कल ॥ अनरवा॥ कथयेनि॥ ४ ॥ सुसु
नया रुने॥ नाना क हूने वा यमा का कल नया रुने॥ अने न वि
दिता॥ वा नृथ यदा नष्ट॥ मने नय वे गो व सुने अम सा यः
का क॥ ना जा वा गु कथयेनि॥ ५ ॥ असा न्या यदा नष्टमने का
यश्चि म सुसु का कल नया रु का॥ मि गृह र्भन॥ कथयेनि॥
ना ना जा या मी दा मी गो न॥ ६ ॥ असा न को ना द सुसु का कल
न ॥ अ य ॥ वा य यदा नष्ट नया रुने॥ मि गृह र्भन या य द
मने का क॥ किने लो न कथः य ॥ वा का र्हे सैन न या द य
ये नि॥ वा य य का ना द सुसु॥ सा का कल नया रुने॥ मन सा
॥ का कल नया रुने॥ अने न द नला न या का र्थ सु॥ सिद्धि रुः
दूर रु या य द य ॥ ७ ॥ सा म य ॥ ॥ ८ ॥ नि नि ति य य रुने

समाये॥ ३॥ चतुनयदने याक धानमाधिभाषकं कन
यादा न परमं काका माडाका आनसीया॥ नि ९ ल्याय दान परम
नाकं धर्म कि॥ ययदनेसयू नेकाक॥ निर्दे गह॥ कथय कि
वसुस काका॥ लानयादनेमा ने ८ न काका दास स काक ला
जाया॥ मि न न धान जा यूरु॥ च नयादने॥ कना न या मका का
तुयदने॥ अ नम यमं काका॥ दस धा यूरु॥ कान र्षा य दान
यययने॥ कथय कि॥ अदि यमने काका॥ वृधुदनेमान॥ क
काना द॥ सस काक लानयाद थय कि॥ य किम सस॥ काक
ना॥ अम यूरु॥ भाषकं कन धान॥ लानयादने॥ मि नु दनेस न या
या म्मा य दान परमं काका॥ वर्य यदयू॥ कान्दे य दान परमं
सा नान मी॥ कथय कि॥ द धिनः काका॥ लानमाद कथय कि॥
सस काक लानयादने॥ स॥ वयूरु काका दा॥ सस काका॥

७८ न

हा न या दूने ॥ न धा २ भा न दयू २ ॥ न म ४ धी ग हा सा य न
 ॥ म भ दि सि य दा न य म नै का म ॥ भा न उ क या ले क्री नार
 द ॥ म न सि दि ॥ क य यै कि ॥ उ दयू ॥ उ भा द स या नै उ या
 ले स ह ॥ का क हा न या दूने ॥ क भी नार दयू ॥ य भा द स या न
 हा न य न र ग नि सि दि दूने उ न सा ॥ क न दू य ॥ नि नू सि
 ॥ उ सा म्मा य ॥ दा न य म नै का दू स या न ॥ उ न सा ले क्री नार
 का म न सि दि ॥ क य यै कि ॥ न दयू ॥ उ भा मि य नू न सा ॥ व न
 सा न का नो द स ह का क हा नार दयू ॥ य भा मि र का उ न सा
 न या दूने ॥ कू कू हा न य ॥ उ क न स हा नि दू य ॥ नि य मि
 सि का र्क सि दि नू य ॥ ॥ र का उ न सा ॥ शू र दूने दयू ॥ म
 नि उ रु य य दूने का क य दि स उ न सा ॥ य नाने कू भा म
 आ य स मा र्क ॥ ॥ उर ॥ ॥ ले इ य ॥ म का उ न सा ॥ य या

यथा वै सुनेयदयू गनयू अ शो गदयू ॥ अ धा कं जन
 न न न सा ॥ श्री मजन इयू ॥ अ हु न सा ॥ ह मि ना र दयू ॥
 धा ना न न न सा ॥ अ स ना नि नु नि क जन न न सा ॥ ना
 र दयू ॥ य धा ना ना न न न सा ॥ अ मा न्य दयू धा ॥ ०४ अ
 धन हो नि इयू ॥ अ धा द द नु न सा ॥ य फि या के ग म न
 नु न सा ॥ अ न न ना न न क इयू ॥ अ धा जे दा नु न सा ॥ अ
 यू ॥ य धा द द नु न सा ॥ मा म र ह ने दयू धा ॥ य धा जे दा नु
 ययू म लू द यू ॥ नि नु नि द न सा ॥ दू य इ धा यू ॥ नि नु
 दू न न सा ॥ धन जन सा र द दि जे दा नु न सा ॥ स नु र य
 न नु न न सा ॥ ह मि ना र द दयू ॥ अ धा य न न न सा ॥ स
 यू ॥ यू यो न न सा ॥ द य वि ने ना ग म न इयू ॥ य धा य
 य र द यू ॥ अ न न न सा ॥ सि न न न सा ॥ अ का से म ल इ य

अथायुनिउत्तमसा॥ विदम्सु अथाभिउत्तमसा॥ दूनेगमन
 गमनद्वयम्॥ स्वधाम्॥ युनिउत्तम द्वयम्॥ अथागमनिउत्तमसा॥
 सा॥ विवादादस्वधाम्॥ अथा नैस्वस्वमस्तुस्वयम्॥ स्वधाम्॥ अथ
 कुक्कयाभिउत्तमसा॥ अन्तर्गते निउत्तमसा॥ दूनानकासम्
 द्वायम्॥ स्वधाम्॥ कुक्कयाभिउत्तम द्वयम्॥ अथाक्काउत्तमसा॥ रि
 तसा॥ द्वास्वद्वयद्वयम्॥ अथा नुद्वन्द्वयम्॥ दूनानकासम्॥
 नुभिउत्तमसा॥ वागनेभ्योऽ हिद्वन्द्वयम्॥ वाभिउत्तमसा॥ वा
 नकयम्॥ स्वधाम्॥ नुभिउत्तमसा नद्वयम्॥ अथानाउत्तमसा॥
 वागनेकयम्॥ गमनकयम्॥ निद्वन्द्वयम्॥ अथाउत्तमसा॥
 नुभिउत्तमसा॥ गमन उत्तमसा॥ सास्वद्वयद्वयम्॥ स्व
 सिद्धिद्वयम्॥ अथावाभिउत्तम अथावाभिउत्तमसा॥ यानका
 सा॥ विदम्सुगमनद्वयम्॥ स्वद्वयम्॥ स्वधाम्॥ काउत्तमसा॥ ॥

मिवसिञ्जय॥ अदिङ्ग
सा॥ विवासादयू॥ अञ्ज
उमसा॥ आननकयू॥ वा
दिङ्गनसा॥ मीनाददयू
ऊडादङ्गनसा॥ वागन
कयू॥ खडादङ्गनसा॥ न
यूनाङ्गनसादिवा॥ निङ्ग
दिङ्गनसा॥ नानाखिङ्ग
नयायदयू॥ अङ्गनिकम
दिकासमाक॥ अङ्ग॥

रसवकाकोन॥

15

10

5

0

CM

5

10

15

20

